अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

सौ. कल्पना गगरानी
राष्ट्रीय अध्यक्ष

हमारा घोष वाक्य
सम्यक् सोच, सुदूर दृष्टि, सुदृढ़ कार्य, सजाएं सृष्टि

सौ. आशा माहेश्वरी
राष्ट्रीय महामंत्री

दिनांक : 13.04.2017

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के एकादश सत्र की प्रथम कार्यसमिति बैठक 'संकल्प'

दिनांक 8-9 अप्रैल 2017 स्थान : महाकालेश्वर भक्त निवास, उज्जैन

अखिल भारतवर्षीय मा. म. सं. के एकादश सत्र की प्रथम कार्यसमिति बैठक ''संकल्प'' 8-9 अप्रैल 2017 को पुण्यसलिला शिप्रा नदी के तट पर बसी महाकाल ज्योतिर्लिंग की नगरी उज्जैन (म.प्र.) में सम्पन्न हुई। यह आयोजन पश्चिमी मध्यप्रदेश मा. म. सं. द्वारा उज्जैन जिला माहेश्वरी म. सं. के आतिथ्य में किया गया। जिसमें सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी पूर्व अध्यक्षाएं, रा. कार्य समिति सदस्य, एकादश समितियों के राष्ट्रीय प्रभारी, समिति संयोजक, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश मंत्री, स्थायी प्रकल्पों के सदस्य सहित लगभग 250 बहनों ने भाग लिया।

पदाधिकारियों की बैठक : दिनांक 7 अप्रैल 2017 को मध्यान्ह में सभी पदाधिकारियों की एक बैठक हुई जिसमें आगामी दो दिनों में होने वाली बैठक की संरचना की गई। विभिन्न प्रदेशों से आए पत्रों व सूचनाओं पर विचार मंथन किया गया एवं आगामी कार्यक्रमों की चर्चा की गई। पूर्व अध्यक्षों द्वारा वर्तमान पदाधिकारियों का कॉलर बैच लगाकर अभिनन्दन किया। महासभा में महिला संगठन की अध्यक्ष कल्पना जी द्वारा रखी गई कार्ययोजना की सभी ने सराहना की।

चर्चा बिन्दु :राष्ट्रीय कार्यसमिति व प्रदेश अध्यक्ष के कार्य बाटे जाएं तो सभी की बराबर जवाबदारी रहे, समिति प्रभारी प्रमुख का पद बनाया जाए। पूर्व अ ध्यक्ष शोभाजी सादानी को यह पद दिया गया। 'सुकृत्या' पुस्तक में संगठन के जिले एवं प्रदेशों की जानकारी दी गई है। राष्ट्रीय कार्यालय सचिव सुषमा जी मूंदड़ा की 'संचारिका' पत्रिका का सुनियोजित ढंग से कार्य करने हेतु सभी ने सराहना की। Whatsapp पर ग्रुपों पर चर्चा हुई, वेबसाइट लिंक पेज, फेसबुक, गुगल सर्च, पेपर लेस वर्क पर चर्चा, मिनट्स की एक कॉपी सभी के पास भेजा जाना चाहिये पर चर्चा की गई। पूर्व अध्यक्ष गीताजी मूंदड़ा ने कहा यह टेक्नोलॉजी फ्रेंडली काल है इसलिए सभी डेटा कम्प्यूटर में सेव करके रखें। राष्ट्रीय कार्यसमिति का सीधा सम्पर्क राष्ट्रीय संगठन मंत्री से रहे एवं उनके कार्यो पर संगठन मंत्री का सुपरविजन रहे।

मस्ती की पाठशाला : रात्रि में सभी सदस्यों व पदाधिकारियों ने एक दूसरे से परिचय किया एवं रूचियां जानी। मस्ती भरे नृत्य-गीतों के माहौल में पारम्परिक झाले-वारणे का सभी ने आनन्द लिया।

8 अप्रैल 2017 प्रथम सत्र -कार्यसमिति बैठक - महाकालेश्वर मंदिर के समीप भक्त निवास में कलात्मकता से सजे हॉल में आयोजक संस्था द्वारा सभी पदाधिकारियों एवं अतिथियों का, देश के कोने कोने से पधारी बहनों का आत्मीयता से भावभीना स्वागत किया। पश्चिमी मध्य प्रदेश अध्यक्ष अरूणा बाहेती, स्वागत मंत्री ऊषा सोढ़ानी, स्वागत अध्यक्ष सरस्वती सारड़ा द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया।

दीप प्रज्जवलन एवं महेश वन्दना द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। बीते समय में जो साथी परलोक गमन कर गए उन्हें सदन द्वारा मौन रहकर श्रद्धांजली दी गई।

संगठन की संरक्षिका माँ रत्नीदेवी जी काबरा के आशीर्वचनों का वाचन महामंत्री आशा जी माहेश्वरी द्वारा किया गया साथ ही आपने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि संगठन के सभी सदस्य अपने दायित्वों को समझकर संपर्क बनाकर कार्य करते रहें, उत्साहित एवं समर्पित रहें। संगठन का कार्य समिति आधारित होता है। इंसान अपने पद से नहीं कर्यो से बड़ा होता है,

कद से बडे पद नहीं है। अत: अपने कार्यो से पहचान बनाऐं। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. कल्पना जी गगडानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि छोटी - छोटी बातों को तूल न दें और लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ते जाएं। महिला के कारण कोई पद गौरवांवित हुआ है ना कि पद के कारण महिला ऐसा मानते हुए कार्य करें, क्या हुआ, किसने किया इन प्रपंचों में ना पडे love & affection are never demanding जो जिसका हकदार है उसे वह दें, उदार व बडे मन वाले बनें, सभी को मान सम्मान दें, जितने हाथ जुडेंगे उतने बड़े काम होगें अत: सबको साथ लेकर इज्जत देकर अपने लिये राहें आसान बनाएं। अध्यक्ष द्वारा 5 कार्यसमिति सदस्यों को विधान अनुसार मनोनीत किया गया।

समितियों का PPT Presentation & Introduction

11 वें सत्र में कार्यो को विस्तार देने हेतु, सुव्यवस्थित रूप से कार्य करने हेतु 11 समितियों का ''स'' से नामकरण कर गठन किया। हर समिति में एक राष्ट्रीय प्रभारी एवं 6 संयोजक बनाए गए। सभी का परिचय करवा कर बैज लगाकर सम्मान किया। हर समिति ने PPT Presentation द्वारा अब तक किए गए कार्य वृतान्त एवं क्या-क्या कार्य किए जा सकते है का विवरण दिया जो बहुत ही सराहनीय रहा। और इससे संबंधित पोस्टर भी प्रदर्शित किए। सभी पदाधिकारियों एवं पूर्व अध्याक्षाओं ने कार्ययोजनाओं की तारीफ की एवं शुभ कामनाएं दी।

अध्यक्ष एवं महामंत्री ने सभी को आधुनिक टेक्नोलॉजी से स्वयं को जोड़ कर पेपरलेस वर्क करने पर जोर दिया, सभी कम्प्यूटर एवं मोबाइल फ्रैंडली बन कर स्वयं को चार्ज रखें संगठन की वेबसाइट भी इस अवसर पर लाँच की गई जिस पर संगठन के कार्यो योजनाओं को देखा जा सकता है - www.youtube.com FB https://abmms.org पर देखें जा सकते है। व्हाट्स-अप पर विभिन्न ग्रुप बना कर सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है। सभी वेबसाइट विजिट करें यह भविष्य में इंकम का सोर्स भी बन सकता है।

द्वितीय सत्र - संध्या समय मोक्षदायिनी पुण्यसलिला माँ शिप्रा नदी के दत्ता घाट पर चुनरी के परिधान में सजी संवरी बहनों द्वारा आरती करके शिप्रा नदी को चुनरी ओढ़ाई गई। नदियों की सेहत सुधरी रहे व जल संरक्षण का संदेश देने वाले पोस्टर्स **जल ही अमृत है** का प्रदर्शन किया गया।

स्वरचित भजनों की प्रतियोगिता : शिप्रा नदी की महिमा, आस्था को उल्लेखित करने वाले स्वरचित भजनों की प्रतियोगिता रखी गई। सभी अंचलों से एक-एक प्रस्तुति रखी गई, जिसकी सभी ने मुक्त कण्ठ से सराहना की, प्रतियोगिता में विजेता रहे प्रथम पूर्वाचल, द्वितीय दक्षिणांचल, तृतीय मध्यांचल, सांत्वना - पश्चिमांचल, उत्तरांचल।

इस कार्यक्रम के अतिथि शैलेन्द्र जी पाराशर (उपकुलपति अंबेडकर युनिवर्सिटी) पारस जी जैन (ऊर्जा मंत्री) एवं रोहित जी सोमानी (उद्योगपति) ने कार्यक्रम की सराहना की।

मध्यप्रदेश जिला संगठन द्वारा - पितृपक्ष में 15 दिनों तक किये जाने वाले सांझा पूजन एवं मालवा की लोक संस्कृति का वर्णन नृत्य के माध्यम से बहुत सुरूचि पूर्ण ढंग से किया गया, बहुत ही शानदार एवं जानदार प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी गई।

रात्रि सत्र - सभी प्रदेश अध्यक्षों द्वारा प्रदेश में हुए कार्यक्रमों की रिपोर्ट का वाचन किया। जिसकी विवेचना अध्यक्ष एवं महामंत्री द्वारा की गई।

9 अप्रैल शोभा यात्रा एवं उद्घाटन सत्र :- महाकाल मंदिर के दर्शन कर, कुण्ड के जल से सूर्य को अर्ध्य देकर, संकल्प लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया, सभी विशिष्ट, मुख्य, प्रमुख, विशेष, प्रधान अतिथियों को जय घोष एवं पुष्प वर्षा के साथ कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। शिव स्तुति गान, शिव स्त्रोत का अति सुन्दर नृत्यमय प्रदर्शन कलाकारों द्वारा किया गया। बेटी बचाओ पर एक नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत की गई। संचारिका समिति द्वारा बनाये गये संगठन के प्रोमो का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटक म. प्र. सरकार के **केबिनेट मंत्री श्री पारस जी जैन** ने कहा की देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ बनाने में योगदान देने वाली, सबसे ज्यादा टैक्स देने वाली जाति माहेश्वरी एवं जैन ही है। विशेष अतिथि **भूतपूर्व विधायक श्री शिवाजी कोटवानी** ने कहा कि - महिलाओं की संकल्प शक्ति अद्वितीय है यहां से संकल्प लेकर उठी है तो विश्व प्रसिद्ध तो होना ही है। जुल्म को रोकने के लिए स्वयं को ही उठना होगा, चिन्तन मनन करना होगा। विशेष अतिथि- **विक्रम यूनि. के भूतपूर्व उपकुलपति श्री राम राजेश मिश्र** ने कल्पना जी की स्टूडेन्ट लाइफ की यादें साझा की, आप बेस्ट स्टूडेन्ट एवं यूनिवर्सिटी प्रेसीडेन्ट रही। साथ ही आपने बताया कि नदी के पथ का सदाचार बना रहे इसके लिये सहायक नदियों की ओर भी ध्यान देना आवश्यक है।

मुख्य अतिथि **रामअवतार जी जाजू (समाज सेवी व उद्योगपति)** अस्वस्थ होते हुए भी शुभकामना देने कार्यक्रम में पधारें व शुभकामना दी। सभी अतिथियों ने अध्यक्ष कल्पना जी को 20 किलों फूलों का हार पहना कर एक तलवार भेंट की।

मुख्य अतिथि – **महासभा के सभापति श्री श्यामजी सोनी** ने महिला संगठन के सभी प्रेजेन्टेशन्स की सराहना की। आपने कहा कि प्रोफेशनल बन कर धन कमाने की जगह धन का विनियोजन किस तरह हो इस पर ध्यान देना है। टारगेट बनाया है कि सभी का इकोनोमिक डाटा एकत्र किया जाए। एक दिन पूर्व महासभा की इन्दौर में सम्पन्न हुई मीटिंग में 21 करोड रूपये के 4 ट्रस्ट बनायें। **रतनी देवी जी काबरा** के नाम का ट्रस्ट सिर्फ महिलाओं के एम्पावरमेन्ट के लिये है। केवल आर्थिक सहयोग के बजाए केस स्टडी करो और किसी को रोजगार में लाओ जैसे टेली रोजगार आदि। यदि किसी अच्छे सी.ए. के बारे में पूछो तो किसी माहेश्वरी का ही नाम आएगा।

संचारिका, सुकृत्या एवं सुरम्या समिति द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन किया गया।

समितियों का बैनर प्रेजेन्टेशन – सभी समितियों की प्रमुख एवं पूर्व अध्यक्ष शोभा जी सादानी के मार्गदर्शन एवं देखरेख में सभी समितियों का संगीतमय बैनर प्रेजन्टेशन हुआ। जिसमें सोनाली मूंदड़ा एवं उर्मिला कलंत्री का योगदान भी सराहनीय रहा। हर समिति का स्वयं का चुना हुआ गाना बजाया गया। सदन एवं अतिथियों ने इसकी सराहना व प्रशंसा की।

'संकल्प' कार्यसमिति बैठक के सभी कार्यक्रम – सुलेखा, सुकीर्ति, सुषमा, सुरभि, सुचिता समितियों के अंतर्गत रखे गये थे।

निबन्ध प्रतियोगिता 'महिलाओं की शिक्षा का स्वरुप कैसा हो' विषय पर हुई निबन्ध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिये गये – प्रथम रमा भूतड़ा आंध्रप्रदेश, द्वितीय रमा साबू मध्यप्रदेश, तृतीय प्रेम मानधना पश्चिमी राजस्थान, सांत्वना सुनिता बिहानी उत्तरी राजस्थान, ममता भट्टड़ पूर्व मध्यप्रेश, कृष्णा कोठारी वाराणासी, सुषमा चांडक मुम्बई, श्रीमती अनामिका नेपाल।

इस दो दिवसीय कार्यक्रमों में पूर्व अध्यक्ष गीता जी मूंदड़ा एवं निवर्तमान अध्यक्ष सुशीला जी काबरा के मार्ग दर्शन में सभी कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न हुए। माहेश्वरी टाइम्स के संपादक पुष्कर जी बाहेती का भी विशेष सहयोग रहा।

देश के कोने कोने से उज्जैन पहुंचने वाली बहनों को रेल्वे स्टेशन, एयरपोर्ट से रिसिव करके भक्त निवास (आवास स्थल) तक पहुंचाकर कमरे में व्यवस्थित करना, चाय, अल्पाहार, भोजन, दूध, महाकाल के दर्शन की सभी व्यवस्थाओं में उज्जैन की बहनें धैर्य, शांती व तत्परता के साथ हंसमुख चेहरा लिये प्रतिपल साथ रही, आपका यह सानिध्य व सहयोग अविस्मरणीय है।

मधु ललित बाहेती

कोटा